ताजा बल्लभगढ़ शिक्षा

पांचवा दिन: "समग्र कल्याण प्रबंधन" विषय पर 145 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन कार्यक्रम में लिया भाग

By **Poonam Sagar** - November 25, 2022

बल्लभगढ़ (नेशनल प्रहरी/ संवाददाता)। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के आईक्यूएसी सेल द्वारा "समग्र कल्याण प्रबंधन" विषय पर एक ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर का सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एफडीपी का आज पांचवां दिन है। एफडीपी का आयोजन अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल एवं प्रेरक नेतृत्व में किया जा रहा है। 25 नवंबर 2022 को कार्यक्रम के पांचवें दिन मुख्य वक्ता डॉ. विजेता आर्य, सीएमओ, काया कल्प योग प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, सोहना, गुरुग्राम, हरियाणा रहीं जिन्होंने 'आध्यात्मिक कल्याण' पर बात की। उन्होंने प्रतिभागियों को आध्यात्मिक कल्याण के माध्यम से समग्र कल्याण के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने जीवन में मूल्यों, सिद्धांतों और नैतिकताओं के महत्व के बारे में समझाया जो कुछ अर्थ और उद्देश्य प्रदान करते हैं और हमारे कार्यों को निर्देशित करने में हमारी मदद करते हैं। हमारे जीवन में आध्यात्मिक तत्व होने से हमें सभी शारीरिक और मानसिक कष्टों से लड़ने में मदद मिलती है। हमारे जीवन के उद्देश्य और मूल्यों से अधिक जुड़े होने के कारण हम एक व्यक्ति के रूप में हैं। यह ग्राउंडिंग हमारे और हमारे आसपास के अन्य लोगों के साथ बेहतर संबंध में प्रकट हो सकता है। स्वयं के साथ एक गहरा संबंध प्राप्त करने से आत्म-जागरूकता बढ़ती है, जो हमारे सोचने और व्यवहार करने के तरीके का समर्थन करती है। आध्यात्मिक कल्याण आपके जीवन को संतुलित करने का एक हिस्सा है। जब आप समग्र कल्याण दृष्टिकोण के भाग के रूप में अपने आध्यात्मिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए समय निकालते हैं, तो आप प्रचार तक पहुँच सकते हैं, जिम्मेदारियों को सौंप सकते हैं, एक समावेशी नेता बन सकते हैं, और अधिक आसानी से अपनी नई भूमिका के अनुरूप लक्ष्यों को स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को जीवन में अधिक शांति के लिए प्रकृति के साथ और अधिक जुड़ने के लिए प्रेरित किया। प्राकृतिक चिकित्सा अपने समग्र स्वास्थ्य और भलाई में सुधार करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए एक समग्र कल्याण दृष्टिकोण प्रदान करती है। हम में से अधिकांश अपने लिए सर्वोत्तम संभव स्वास्थ्य की तलाश करने की राह पर हैं, और इसका मतलब है कि हम स्वास्थ्य देखभाल समाधानों की एक श्रृंखला का लाभ उठा रहे हैं। ऑनलाइन एफडीपी आईक्यूएसी समन्वयक की देखरेख में किया गया था, जो कार्यक्रम के संयोजक भी थे- डॉ. मनोज शुक्ला, समन्वयक डॉ. शिल्पा गोयल एवं डॉ. इनायत चौधरी। भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 145 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन राष्ट्रीय स्तर के सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।